

सुदु ॥

मातंगं उलमी सुमान मिदुलसूरी रीवी सिवगेइ दसुली
पिडा महां कपी सुमान अन माली रुवुं सिवगेइयं चल
विक गलं सुदु येरा यमि वोधण ॥ १३९ ॥ सुदु उदु
पिडाये चल विक गलं सुदु नमः ॥ १० ॥

३ तिडिया

गोतंग

मातंगं उलमी सुमान मिदुलसूरी रीवी सिवगेइ दसुली
रुपिडा महां मुदुगी सुमान ठगि वनी रुवुं सिवगेइयं
चल रम वनं सुदु येरा यमि वोधण ॥ १३९ ॥ सुं विमु
उदु पिडाये चल रम वनं सुदु नमः ॥ ११९ ॥

दुडीया

गोतंग

मातंगं उलमी सुमान मिदुलसूरी रीवी सिवगेइ दसुली
दुदु रुपिडा महां रायी सुमान पम्पनी रुवुं सिवगेइयं
मंच कुड रम वनं सुदु येरा यमि वोधण ॥ १३९ ॥ मः
सिव उदु पिडाये मंच कुड रम वनं सुदु नमः ॥ ३॥

सुधः लीगं ॥ ठग वडुः सुदु ठग वडु सुदु ॥

मातु पिडा महां उलमी सुमान मिदुलसूरी कपी सुमान अन माली
रुवुं सिवगेइ दसुली चल विक गलं पडुं सुदु सुदु नमः ०
मातु रुपिडा महां उलमी सुमान मिदुलसूरी - मुदुगी सु ठगि वनी रुवुं
सिवगेइ दसुली चल रम वनं - पडुं सुदु सुदु नमः = ९ =

नं. २

सुभु मयनं

माह वंरु ररिडा महे- (इलमी सु मिदुलल्ली रायी सु मन्नी
 रुवु मिव गेइ रुदली भवहुत समरु एउरुं सुदुं मण नमः ३॥
 माहः (इलमी सु मिदुलल्ली देवु मिव गेइ रुदली भवहुत मरिके
 मपिने काल मिव म्मू उरुं उ सुदुं मण नमः ११

| | | |
|-----------------------|-----------------|----------------------|
| इं कगि सु उं उरु सु ॥ | रल विक गः ठगः ॥ | मसु सुदुं रालं |
| पिनु विषय ॥ | रल प्रम वरु ठगः | मसुः प्रयं पुपविने |
| | भवहुत समरु ठगः | पनं रलि रुननु विरु |
| | | वदि रु मगः रुकी विरु |

पिनु विषय

माहं (इलमी सु मिदुलल्ली रुवी मिव गेइ रुदली ररिडा महे रुपी
 सु मन्मानी रुवुं मिव गेइ रुदली रल विक गः पिनु येरा यमि वेधए
 रुं ३ उं सुदु उरु रिये रल विक गः मण नमः ॥ उं मपि सुउ
 हे। मरु उवउ लंरिउं ॥ माह पिडा महे (इलमी सु मन्म मिदुलल्ली
 रुपी सु मन्मानी रुवुं मिव गेइ रुदली रल विक गः भवहुत मरिके
 मपिने काल मिव म्मू एव वं पिनुः मण नमः मय उपमम

गनु प्रयं

माह पिडा मही रुं (इलमी सु मिदुलल्ली रुपी सु मन्मानी
 रुवी रुं मिव गेइ रुदली रल विक गः रुं भवहुत मरिके
 मपिने काल मिव म्मू ममाल रुं गनु मण नमः ॥

एवं मसु मण नमः प्रयं मण नमः

माहं (इलमी सु मिदुलल्ली मिव गेइ रुदली ररिडा महे
 मन्नी सु रुगि वानी रुवुं मिव गेइ रुदली रल प्रम वरु पिनु येरा
 यमि वेधए रुं ३ रुं विरु उरु रिये रल प्रम वरु मण नमः

विष्णुविषय

3

नं०३ हिं मयि धुत्तुं ॥ मष्टावडा लेखिं ॥ माष्ट पिडा मही ५ पिडा मही ॥
 उलमी सुमान मिमूलस्त्री सुपी सुभनमाली-मन्त्री सु ठागिवा
 नी रवः सिवगैरः ५२ ॥ चरविकरणी चरप्रमवतः
 मंचकुरिकी मपिल्ल काल सिवसूत्र एषवः पिडाः मणनमः
 मय ७५ मसु ॥ गन्धु ध्व

माष्ट पिडा मही ५ पिडा मही ६ः उलमी सु मिमूलस्त्री-सुपी सु
 भनमाली ५ मन्त्री सु ठागि वनी रवः सिवगैरः ५२ ॥
 चरविकरणी ६ः चरप्रमवनी ६ः मंचकुरिकी मपिल्ल काल
 सिवसूत्र ममाल कन्तु गन्धु मणनमः ॥ एवं मन्त्र मणनमः ५५
 ३ पिडा

३ पिडा | माडां उलमी सु मिमूलस्त्री रवः सिवगैरः ५२ ॥
 वदुप्रपिडा महं रायी सु पम्पनी रवः सिवगैरः यं
 मचकुड ममन्तं पिडा यैरा यामि वैमण ॥ एकी १२
 १३ १३ ३ मः सिवउद्गादि पउये मचकुड ममन्तं मणनमः
 मयि धुत्तुं वि ३ मष्टावडा लेखिं ॥

माष्ट पिडा मही ५ पिडा मही वदु ५ पिडा महः उलमी सु मिमूलस्त्री
 मनी सुपी सु भनमाली ५ मन्त्री सु ठागि वनी
 रायी सु पम्पनी रवः सिवगैरः ५२ ॥ चरविकरणी
 चरप्रमवनी मचकुड ममन्तः मंचकुरिकी मपिल्ल काल
 सिवसूत्र एषवः पिडाः मणनमः मय ७५ मसु ॥ ३

गन्धु ध्व पुपली ठागि ६ः उलमकुमिसु डिमनं सीमनं मय ध्व डिनेरकं पुपली

मह मिता मती ५ मिता मती वंदू ५ मिता महीष्टः

उत्तमीष्ट मिदूतल्ली ५ पीष्ट मुनमाली भर्तृगीष्ट ठागिवनी
 ५ पीष्ट पम्पनी द्रुष्टः सिवगैष्टः ५ पीष्ट वलविकरल
 वनप्रमथनी मचक्रुत्तमनीष्टः मंवद्रुगिकीमपिष्टुत्तल
 सिवभूष्ट ममाल कनं गनु मण नमः ॥ १० वं मद्रुः मण पुष्टु मण
 प्रपमण प्रपैमण ठुष्टु ठुष्टु कल मुन तिन मद्रु मिष्टु डिमपनं
 मीगपनं मपुमनं तिलेष्टुं उरुद्रुष्टुं डिमं ५ वनमं ५
 मद्रुनं मद्रु ॥

संज्ञ

० 5 थारु मउ धृये, कण मउ य कण १ गनेरु कडिले:

भाउं एिक कएनी शुभान लायभाली रेवी गिउमु मिवगेइ नरुं
पिउभहं नुसी शु भुभाली रेवुं गिउमु मिवगेइ यं रलविकः
१० संज्ञ येरा मि वेधण ॥ नउं ९ डिमुउ उइ पिउय
रलविक संज्ञ भणनमः

भाउं एिक कएनी शु लायभाली रेवी गिउमु मिवगेइ नरुं
पिउभहं नुसी शु थम्भानी रेवुं गिउमु मिवगेइ यं रलभमभं
संज्ञ येरा यमि वेधण ॥ नउं ९ इं विमु उइ पिउय रलभम
गिउं संज्ञ भणनमः १९ ५५५

भाउं एिक कएनी शु लायभाली रेवी मिवगेइ नरुं
रुं भुपिउभहं केनी शुभान केनी रेवुं गिउमु मिवगेइ यं भवकुउ
मभं संज्ञ येरा यमि वेधण ॥ नउं ९ मः मिवउइ पिउय
भचकुउ मभं भणनमः ३१ सुयः सीं ११ ठगवउः संज्ञ ३
ठगवउ संज्ञ

भाउ पिउभहं एिक कएनी शु लायभाली नुसी शुभान भुभाली रेवुं
मिवगेइ नरुं रलभमभं विकउउं नउं संज्ञ भणनमः १०
भाउ भुपिउभहं एिक कएनी शु लायभाली - नुसी शु थम्भानी रेवुं
मिवगेइ नरुं रलभमभं नउं संज्ञ भणनमः १९

भाटु वल्लु प्रपितामहो लिङ्गठानी शुभाशयमाली कनी शुभाकनी रुचु
मिव गेहं नृणां भव कुतस्मिन् ॥ ७ ॥

भाटुः लिङ्गठानी शुभान शयमाली रुचु मिव गेहं नृणां भव कुतस्मिन् भवमनमपि नृ
कगल मिव मूढ नृणां भव कुतस्मिन् भवमनमपि नृ

इति कविषु लिङ्गठानी ॥

पिण्ड विषयः

चल विद्वत् ॥ ८ ॥ भवमनमपि नृ
चल प्रमथनं ॥
भव कुतस्मिन् ॥

भाटुं लिङ्गठानी शुभाशयमाली रुचु मिव गेहं नृणां - पितामहं कुम्भी शु
भमाली रुचु मिव गेहं यं चल विद्वत् ॥ पिण्ड यैरायमि चोषणं नृ
लिङ्गठानी उक्तं विषयं चल विद्वत् ॥ भवमनमपि नृ

लेखितं - भाटु पितामहो लिङ्गठानी शुभाशयमाली कुम्भी शुभमाली रुचु
मिव गेहं नृणां चल विद्वत् ॥ भवमनमपि नृ कगल मिव मूढ
नृणां पिण्ड भवमनमपि नृ ॥ ९ ॥ गन्धं धर्मं ॥ भाटु पितामहं कुम्भी
लिङ्गठानी शुभाशयमाली कुम्भी शुभमाली रुचु मिव गेहं नृणां
चल विद्वत् ॥ भवमनमपि नृ कगल मिव मूढ भवमनमपि नृ
भवमनमपि नृ ॥ १० ॥ भवमनमपि नृ ॥ ११ ॥

भाटुं लिङ्गठानी शुभाशयमाली रुचु मिव गेहं नृणां प्रपितामहं कुम्भी
● यक्षनी रुचु मिव गेहं यं चल प्रमथनं पिण्ड यैरायमि चोषणं
१८३ रुचु विद्वत् ॥ चल प्रमथनं भवमनमपि नृ
लिङ्गठानी उक्तं विषयं चल विद्वत् ॥ भवमनमपि नृ

भाउ पिडा मही प्रपिडा महुः लिङ्ग ठानी शय माली कुमी ममली
 ऊनी थम्मीनी रुवु मिवगेडाः रुदली चल विक गली चल प्रमषणः
 ममानमपिबु कर्ण मिवमूदु णवः पिबुः भण नमः मयउयमुमु
 मयउयमुमु भाउ पिडा मही प्रपिडा महीहुः लिङ्ग ठानी शय माली
 कुमी ममली ऊनी थम्मीनी रुवुहुः मिवगेडाहुः
 रुदली चल विक गलीहुः चल प्रमषणीहुः ममान
 मपिबु कर्ण मिवमूदु ममल ठनं गनु भण नमः
 एवं मयउयमुमु नमः धर्म भण नमः ११ १ पिबु

भाउं लिङ्ग ठानी शय माली दीदी मिवगेडा रुदली
 चहु प्रपिडा महुं ठनी ड ठनी रुवु मिवगेडां मचकुड
 ममानं पिबु येरा यभि वेधली णकी १२ १३
 मः मिव उदुणियथउय मचकुड ममने भण नमः
 मयिपुउहुं विउ महुडा लं विवु = भाउ पिडा मही प्रपिडा
 मही चहु प्रपिडा महुः - लिङ्ग ठानी शय माली ऊनी थम्मीनी
 नी ठनी ड ठनी मिवगेडाः रुदली चल विक गली चल प्रमषणी
 मचकुड ममानः ममानमपिबु कर्ण मिवमूदु णवः पिबुः
 भण नमः मयउयमुमु ३ वंमं सिभण नमः वीणं भण नमः लेपि

गवू धर्म प्रपदी ठरुठिड डिमपनं फीरपनं मयुधने उलिरुं उरक उरु

मन्त्र पद्य नं ५

ਮਾਤੁ ਪਿਤਾ ਮਹੀ ੨ ਪਿਤਾ ਮਹੀ ਚੰਦ੍ਰ ਪਿਤਾ ਮਹੀ ॥

[illegible]

महत्वाद्वापिडा महो सुद्ध ५३ी सु सुद्ध ५३ी रेवुं (महो)
 सिव गेहं नदं ली मचक्रुत समन्ते ॥ ३३ सुद्ध भूत नमः ॥
 महः मजी सु मनमाली रेवुं (महो) सिव गेहं नदं ली
 मचक्रुत गिकी मपिल्लु काल सि सुद्ध ५३ी सुद्ध भूत नमः ॥

इहं कश्चि

पिण्ड विदुः उमत्रुधु ॥

चलविक रणः ॥ ३३ ॥ मपु ५३ी सुद्ध नदं ली
 चल ५३ी सुद्ध नदं ली ५३ी सुद्ध नदं ली
 मचक्रुत समन्ते ॥ ३३ ॥ सुद्ध नदं ली
 सुद्ध नदं ली ५३ी सुद्ध नदं ली

महत्वाद्वापिडा महो सुद्ध ५३ी सु सुद्ध ५३ी रेवुं (महो)
 पेमी सु लकी रेवुं सिव गेहं नदं ली चल विक रणः ॥ ३३ ॥
 मचक्रुत समन्ते ॥ ३३ ॥ सुद्ध नदं ली ५३ी सुद्ध नदं ली

महत्वाद्वापिडा महो सुद्ध ५३ी सु सुद्ध ५३ी रेवुं (महो)
 पेमी सु लकी रेवुं सिव गेहं नदं ली चल विक रणः ॥ ३३ ॥

महत्वाद्वापिडा महो सुद्ध ५३ी सु सुद्ध ५३ी रेवुं (महो)
 पेमी सु लकी रेवुं सिव गेहं नदं ली चल विक रणः ॥ ३३ ॥
 मचक्रुत समन्ते ॥ ३३ ॥ सुद्ध नदं ली ५३ी सुद्ध नदं ली
 सुद्ध नदं ली ५३ी सुद्ध नदं ली ५३ी सुद्ध नदं ली
 सुद्ध नदं ली ५३ी सुद्ध नदं ली ५३ी सुद्ध नदं ली

वामं मि भूत नमः॥ वीरानं भूत नमः॥ लिपं निव गेड

गुणोप

महं पिडा महं प्रदिता महं चद्रप्रदिता महं हः॥ मडी भुवनमाली

पेसी सु लकी दुनी सु भापी सुहृदुनी सु सुहृदुनी सिव गेड हः

नदुनी रत्न विकारुनी रत्न प्रमदुनी मच कुत रमनी हः मंचदुनी

कैमपिने काल सिव गेड मम मम भूत नमः॥ चिं वं मम भूत

नमः प्रथं भूत नमः॥ पुप भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥

मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥

उडे मम भूत

मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥

मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥

मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥

मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥

मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥

मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥

मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥

मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥

मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥

मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥

मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥

मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥

मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥ मम भूत नमः॥

ਪਿਤਾ ਮਹੈ ਧੰਸੀ ਧ ਲਫੀ ਦੇਵੈ ਸੁਝੈ
 ਪ੍ਰ ਪਿਤਾ ਮਹੈ ਤੁਨੀ ਧ ਸੁਧੀ ਦੇਵੈ ਸੁਝੈ
 ਚ ਪ੍ਰ ਪਿਤਾ ਮਹੈ ਸੁਦ ਪਤ੍ਰੀ ਧ ਸੁਦ ਪਤ੍ਰੀ ਦੇਵੈ
 ਸੁਝੈ

ਪ੍ਰਤ:

ਮਾਤ: ਮਤੀ ਧ ਮਨ ਮਾਲੀ ਦੇਵੈ ਸੁਝੈ